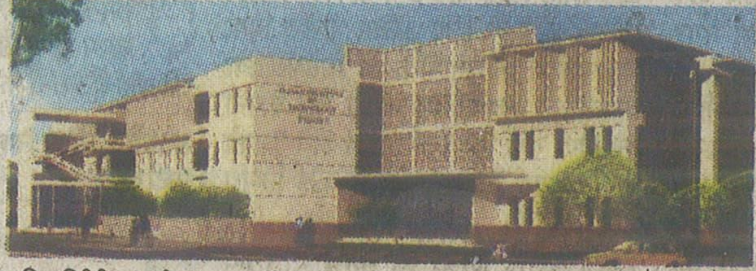


ऊंची छलांग

आइआइटी इंदौर इंटरनेशनल रैंकिंग में बना देश का दूसरा सर्वश्रेष्ठ संस्थान

इंदौर @ पत्रिका. टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा दुनिया की बेहतरीन यूनिवर्सिटी की जारी सूची में आइआइटी इंदौर ने ऊंची छलांग लगाते हुए देश में दूसरे नंबर पर कब्जा जमाया। पहले स्थान पर बेंगलूर का आइआइएससी रहा। इसके साथ देश की 49 और यूनिवर्सिटी की रैंक जारी हुई।

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) इंदौर की इस उपलब्धि के पीछे रिसर्च वर्क और फैकल्टी बड़ी ताकत रही। इसी सर्वे में आइआइटी मुंबई सहित अन्य आइआइटी भी शामिल थे, लेकिन इन सभी को नई पीढ़ी के आइआइटी इंदौर ने काफी पीछे छोड़ दिया। आइआइटी इंदौर में 1 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राएं और 115 फैकल्टी हैं। सर्वे में आइआइटी मुंबई तीसरे और आइआइटी रुड़की चौथे तथा जगदगुरु श्री शिवरात्रिश्वरा



यूनिवर्सिटी पांचवें नंबर पर है। दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटी में पहले नंबर पर ऑक्सफोर्ड, दूसरे पर कैंब्रिज और तीसरे पर स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी है। चौथे और पांचवें पर मैसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और कैलिफोर्निया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी काबिज हुए।

टॉप-200 में एक भी भारतीय संस्थान नहीं : ये सर्वे हर साल होता है। इस बार भी भारत का एक भी संस्थान टॉप 200 में जगह नहीं बना सका। हालांकि पिछले साल सर्वे में भारत के 29 संस्थानों को रैंक मिली थी, जो इस बार बढ़ गई।

विदेशी फैकल्टी भी

आइआइटी इंदौर के डायरेक्ट प्रो. प्रदीप माथुर ने बताया, यहां विदेश से भी लगातार फैकल्टी बुलाई जाती हैं। ज्ञान प्रोजेक्ट के तहत साल में करीब 35 फैकल्टी आ चुकी हैं। सबसे ज्यादा ध्यान रिसर्च पर दिया जा रहा है। इंटर डिपार्टमेंटल कोलेबरेशन सिस्टम लागू करने से भी रैंकिंग में सुधार हुआ है। इस सिस्टम में एक कोर्स के आइआइटीयन अपनी पसंद के दूसरे कोर्स भी पढ़ते हैं। थ्योरी से ज्यादा ध्यान प्रैक्टिकल पर दिया जाता है। लैब में मशीनों का पूरा इस्तेमाल हो रहा है।